हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार, 14 जुलाई 2025

9 कांवड़ सेवा शिविर के लिए तैयारियां जोरों पर

10 शिविर में 220 लोगों ने किया रक्तदान

खबर संक्षेप

जिले में आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। सोमवार को जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस रूम में लगेगा, जहां डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल द्वारा नागरिकों की विभिन्न प्रकार की शिकायतों और समस्याओं को सुनेंगे। वहीं, उपमंडल स्तर पर बहादुरगढ़, बादली व बेरी लघु सचिवालयों में समाधान शिविर आयोजित होंगे। जहां संबंधित एसडीएम द्वारा नागरिकों की शिकायतों को सुनते हुए उनका समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

पीपीपी में वाहन एंट्री हटवाने के लिए सीएससी सेंटर पर करें आवेदन

झज्जर। एडीसी जगनिवास ने कहा कि जो लोग परिवार पहचान पत्र में दर्ज वाहन की जानकारी को निर्धारित प्रक्रिया के तहत हटवाना चाहते हैं। ऐसे मामलों में नागरिक एडीसी कार्यालय में आने के बजाए अपने नजदीक किसी भी मान्यता प्राप्त सीएससी से ऑनलाइन आवेदन करें। निर्धारित ऑनलाइन आवेदन के बाद स्वतः कुछ समय बाद वाहन पीपीपी से हट जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा पीपीपी संबंधित कार्यों के लिए बहादुरगढ़, बादली, माछरौली, बेरी, साल्हावास, मातनहेल, झज्जर जिला मुख्यालय के बीडीपीओ कार्यालयों में जेड क्रीम कार्यालय स्थापित किए गए हैं। इससे न केवल लोगों का समय बचेगा, बल्कि उन्हें घर के नजदीक ही सुधार की सुविधा प्राप्त होगी।

जिले में चित्रकला प्रतियोगिता शुरू

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा स्कूली विद्यार्थियों की रचनात्मकता एवं कल्पनाशीलता को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने जिले के अध्यापकों से आह्वान किया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें। वहीं डीआईपीआरओ सतीश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है। प्रथम श्रेणी 6 से 10 वर्ष आयु वर्ग की है। जिसका विषय स्टोरी टेलिंग पर आधारित पेंटिंग रहेगा व द्वितीय श्रेणी 11 से 16 वर्ष आयु वर्ग का है। जिसका विषय माई विजन पर आधारित पेंटिंग रहेगा। यह आयोजन आगामी 12 अगस्त को सेक्टर-पांच स्थित यवनिका गार्डन, पंचकूला में होगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक श्रेणी में आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 21 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है।

आफिस से एसी, एलईडी और नकदी चोरी

बहादुरगढ़। इलाके में चोरी के मामले नहीं थम रहे। अब गांव लडरावण में स्थित एक आफिस में को चोरों ने निशाना बनाया। अज्ञात चोर आफिस में घुसे और एलईडी टीवी, एयर कंडिशनर प्रिंटर व अन्य सामान सहित 52 हजार रुपये की नकदी पर हाथ साफ कर गए। शिकायत के आधार पर सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात भूपेंद्र के आफिस में हुई है। दिल्ली के निवासी भूपेंद्र का कहना है कि गांव लडरावण में उसका आफिस है। गत 11 जुलाई की रात को वारदात हो गई। अगली सुबह जब आफिस खोला गया तो सब कुछ अस्त व्यस्त था। जांच करने पर 52 इंच की एलईडी टीवी, म्यूजिक सिस्टम, एसी, प्रिंटर, 52 हजार रुपये की नकदी, डबल बेड के कंबल आदि सामान नहीं था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। उधर, सूचना पाकर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की तह तक जाने के लिए पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है।

दिनभर बदलता रहा मौसम का मिजाज कभी तेज बारिश तो कभी निकलती रही धूप

झज्जर। अंबेडकर चौक पर हुए जलभराव के बीच गुजरते हुए वाहन।

झज्जर। पुराना बस अड्डा मार्ग पर हुआ जलभराव।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रविवार दिन भर मौसम का मिजाज बदलता रहा। दिन की शुरूआत आसमान में छाए काले बादलों के साथ हुई। करीब दोपहर एकाएक घनघोर घटा छा गई और तेज हवाएं चलने लगी। देखते ही देखते तेज बारिश होने लगी। बादलों की घटाओं को देखकर एकबार ऐसा लगा कि दिनभर बारिश होगी, लेकिन करीब पंद्रह मिनट तक बादल जमकर बरसे और फिर बारिश रूक गई।

रात आठ बजे तेज बारिश : इसके बाद दिनभर बादलों और सूर्यदेव के बीच आंख मिचौनी चलती रही। लेकिन सांय करीब आठ बजे एकाएक फिर मौसम ने करवट ली और फिर तेज बारिश होने लगी। लेकिन फिर बादलों ने निराश किया और पंद्रह से बीस मिनट तक बारिश करने के बाद बादल आगे निकल गए। उधर, बारिश के कारण फिर शहर में जलभराव की स्थिति बन गई। जिसके कारण वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। रविवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राहत : नीमवाली कॉलोनी से निकासी शुरू, पंप सेट से निकाला जा रहा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

हरिभूमि इंपेक्ट

शहर की नीमवाली कालोनी के लोगों को जल भराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर परिषद द्वारा पानी निकासी का कार्य शुरू कर दिया गया है। रविवार को नगर परिषद के कर्मचारियों ने दिनभर पंप सेट चालू कर गली से पानी की निकासी का कार्य किया। जलस्तर कम होने पर कालोनीवासियों को भी समस्या से छुटकारा मिलने की उम्मीद बढ़ी है। बता दें कि नीमवाली कालोनी वासियों की इस समस्या का संज्ञान लेते हुए हरिभूमि समाचार पत्र ने रविवार के अंक में इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसकी सुध लेते हुए नगर परिषद द्वारा रविवार को जल निकासी व्यवस्था का कार्य शुरू किया गया। जिसके चलते कॉलोनी निवासियों ने हरिभूमि समाचार पत्र का आभार जताया। उन्होंने कहा कि निकासी होने से लोगों ने राहत की सांस ली है।

झज्जर। पंप सेट शुरू कर पानी निकासी में जुटे कर्मचारी।

हरिभूमि ने उठाया था मामला

मुख्य रास्तों पर जल भराव के कारण घरों में कैद नीमवाली कालोनी के निवासी

एडवोकेट ऋचा शर्मा, प्रदीप दलाल, विनोद जेई, अशोक कुमार, सतबीर फौजी, मास्टर विनोद, नरेंद्र, प्रेम, मोनिका, सरिता, सुनीता, सविता, गुड्डी, कविता आदि ने हरिभूमि समाचार पत्र का आभार जताते हुए कहा कि पानी निकासी होने के बाद उनके जहां नौकरी पेशा लोग अपनी ड्यूटी पर जा पाएंगे वहीं बच्चे भी सहजता से स्कूल जा सकेंगे।

युवक की हत्या कर शव माइनर में फेंका, गले में बंधा था परना

युवक के मुंह पर चोट के निशान, पुलिस शिनाख्त करने में जुटी

■ मारपीट कर गला घोंटने की आशंका ■ युवक की आयु लगभग 35 वर्ष ■ पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव खरहर से गुजर रही रेवाड़ी खेड़ा माइनर में रविवार की सुबह एक युवक शव मिला। युवक के गले में परना बंधा हुआ है और कई दिन पुराना हो जाने के कारण शव सड़ चुका है। हत्या के बाद शव माइनर में फेंका गया है। आसौदा थाना पुलिस ने हत्या की धारा के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को नागरिक अस्पताल में रखवाया गया है। घटना रविवार सुबह की है।

पुलिया में फंसा था शव

दरअसल, यहां गांव खरहर से रेवाड़ीखेड़ा माइनर गुजर रही है। सुबह के वक्त टहलने निकले किसी व्यक्ति की नजर माइनर में पुलिया के पास अटके शव पर गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को निकालने के प्रयास किए।

बहादुरगढ़। मौके पर मौजूद पुलिस और ग्रामीण।

पानी ज्यादा होने के कारण शव पुलिया के नीचे फंस गया। इसके बाद माइनर में पानी की सप्लाई रोकी गई। जल स्तर कम हुआ तो दोपहर को शव बाहर निकाला जा सका।

शव 4 से 5 दिन पुराना

पुलिस ने नागरिक अस्पताल में रखवाया

इसके बाद नागरिक अस्पताल में शव रखवा दिया। अर्ध नग्न अवस्था में मिला शव चार से पांच दिन पुराना होने के कारण गल, सड़ चुका है। गले में परना बंधा हुआ है और चेहरे पर हल्की चोट के निशान भी बताए जा रहे हैं। जांच अधिकारी आकाश कुमार ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष आंकी जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद यह तय हो सकेगा कि युवक की मौत कैसे हुई। फिलहाल हत्या की धारा के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को 72 घंटे के लिए नागरिक अस्पताल में रखवाया गया है। पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। चौकी, थानों में संपर्क किया जा रहा है। जल्द से जल्द मामले को सुलझाने की कोशिश रहेगी।

विदेश में रह रहे भांजे के नाम पर मामा से ठगे 14 लाख

बहादुरगढ़। भापड़ोदा के निवासी एक व्यक्ति के साथ ठगी की वारदात हो गई। शातिरों ने विदेश में रह रहे भांजे के नाम पर व्यक्ति को चंगुल में फंसाया और उसे 14 लाख रुपये की चपत लगा दी। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। वारदात शमशेर सिंह के साथ हुई है। पीड़ित शमशेर सिंह ने बताया कि उनका भांजा प्रदीप दिल्ली के पीतमपुरा का रहने वाला है और फिलहाल यूके में है। गत चार जुलाई को मेरे मोबाइल पर एक विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई। कॉलर की आवाज भांजे जैसे थी। उसने खुद को प्रदीप बताते हुए इंडिया में एजेंट को पैसे भेजने के लिए खाता नंबर मांगा। भरोसे में आकर मैंने अपनी बैंक चेकबुक की फोटो भेज दी। कुछ देर बाद उस कॉलर ने बताया कि खाते में 18.30 लाख रुपये भेज दिए गए हैं। इस पर उसने कहा कि पैसे नहीं आए तो कुछ समय बाद एक अन्य नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई, जिसमें कॉलर ने खुद को यूको बैंक हेड ऑफिस का कर्मचारी बताया और कहा कि आपके खाते में 10.15 लाख रुपये विदेश से आए हैं। वेरिफिकेशन के चलते यह राशि होल्ड पर है। इसके बाद भांजा बनकर बात कर रहे शातिर की फिर कॉल आई। उसने कहा कि एजेंट की कॉल आएगी। उसे पैसे की जरूरत है, भेज देना।

एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाई

थोड़ी देर में हरजीत सिंह नाम के शख्स की कॉल आई, जिसने अपनी पत्नी के दिल की बीमारी बताकर तत्काल पैसे मांगे। बकौल शमशेर, उसने इधर-उधर रिश्तेदारों और परिचितों से व्यवस्था कर अलग अलग खातों पर 14 लाख रुपये भेज दिए। बाद में पता चला तो मामला ठगी का निकला। इसके बाद उन्होंने एनसीआरपी पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। अब शिकायत के आधार पर साइबर थाना झज्जर में केस दर्ज हो पाया है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है।

फसल बीमा योजना किसानों के लिए लाभकारी

झज्जर। डीसी स्वप्रिल रवींद्र पाटिल ने बताया कि जिला में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2025 के अंतर्गत फसलों का बीमा पहली जुलाई से शुरू हो चुका है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत धान, बाजरा, मक्का, और कपास की फसल को बीमित फसलों की श्रेणी में रखा गया है। खरीफ 2025 में प्रदेश सरकार द्वारा फसलों का बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। सभी किसान संबंधित दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, बैंक पासबुक, नवीनतम भूमि रिकॉर्ड, जमाबंदी प्रमाणित बुआई पत्र और मेरी फसल मेरा ब्यौरा के साथ संबंधित बैंक या सीएससी केंद्र के माध्यम से अपना फसली बीमा करवा सकते हैं।

एशियाई चैंपियनशिप के गोल्ड जीतने पर पहलवान गौरव का किया स्वागत

झज्जर। वियतनाम में हुई एशियाई चैंपियनशिप में जिले के खिलाड़ी गौरव पूनिया ने गोल्ड मेडल जीतकर प्रदेश व देश का गौरव बढ़ाया है। क्षेत्र के गांव खुड्डन निवासी गौरव पूनिया ने कुश्ती स्पर्धा के 65 किलोग्राम भारवर्ग में खेलते हुए यह पदक हासिल किया। होनहार खिलाड़ी के स्वागत में ग्रामवासियों द्वारा रविवार को स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। गांववासियों व समर्थकों द्वारा गौरव पूनिया को शहर के शहीदी पार्क से डीजे की धुनों पर नाचते-गाते हुए खुड्डन गांव के समारोह स्थल तक ले जाया गया। बीच-बीच रास्ते कई स्थानों पर खेल प्रेमियों द्वारा होनहार खिलाड़ी का स्वागत भी किया गया। कांग्रेसी नेता रमेश वाल्मीकि ने बेरी गेट में गौरव पूनिया व उसके साथियों का फूल मालाओं से स्वागत करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की । उन्होंने कहा कि युवाओं को चाहिए कि वे नशे आदि से दूर रहते हुए खेल स्पर्धाओं में भागीदारी करें। इस मौके पर एडवोकेट तरुण, राजू वाल्मीकि, ओमी पंडित, इकबाल वाल्मीकि, सुनील भगाना, अभिषेक सैनी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन को अत्याधुनिक बनाने का काम जारी, प्रथम चरण पर खर्च होंगे 25 करोड़

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किया जा रहा सुधारीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन के सुधारीकरण का काम जारी है। नए भवन के साथ ही आधुनिक पार्किंग, प्लेटफार्म का विस्तार, ओवरब्रिज का निर्माण चल रहा है। विदित है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 अगस्त 2023 को बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन समेत देश के 508 रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण की वर्चुअल माध्यम से आधारशिला रखी थी।

बता दें कि 1932 में निर्मित बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन दिल्ली रोहतक रेलमार्ग पर हरियाणा का पहला रेलवे स्टेशन है। यहां से करीब 10 हजार लोग रोजाना ट्रेन के जरिए आवागमन करते हैं। अधिकारियों की मानें तो इस रेलवे स्टेशन से रोजाना 22 एक्सप्रेस ट्रेन, 56 पैसेंजर ट्रेन और करीब 65 मालगाड़ियां भी गुजरती हैं। करीब 2 साल पहले शुरू हुए स्टेशन के आधुनिकीकरण कार्य पर प्रथम चरण में 25 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च होगी। इसके तहत नए भवन का निर्माण और मौजूदा भवन का नवीनीकरण, वेटिंग हॉल और पैसेंजर फ्रेंडली आधुनिक सुविधाएं, पार्किंग एरिया, प्रवेश व निकासी के अलग द्वार, वाई-फाई की सुविधाओं सहित विश्वस्तर का सौंदर्यकरण किया जा रहा है। बारिश के मौसम में भी निर्माण कार्य जारी है।

यह प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस होगा। यहां रेलवे के तकनीकी विभाग को भी आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। प्लेटफार्म पर बनी वेटिंग एरिया की शेड को बढ़ाया जा रहा है। दोनों तरफ टिकट काउंटर बनाए जाएंगे। रेलवे स्टेशन के सुधारीकरण के तहत जीआरपी चौकी, एटीएम और प्याऊ तोड़कर शिफ्ट की जा चुकी हैं। रास्ते में आड़े आए पेड़ों को भी काटा गया था। रेलवे क्वार्टरों को भी हटाया गया था। रेलवे बाउंड्री के साथ-साथ रेलिंग लगाई जा रही है। भवन का ढांचा खड़ा हो चुका है। उसकी फर्निशिंग का काम तेजी से चल रहा है। सामने पार्किंग में सीमेंट कंक्रीट डाली जा चुकी है। अन्य मूलभूत सुविधाएं भी तैयार की जा रही हैं अथवा सुधारी जा रही हैं।

बहादुरगढ़। सुधारीकरण के तहत रेलवे स्टेशन पर जारी नए भवन का निर्माण।

■ प्रधानमंत्री ने 6 अगस्त 2023 को बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन समेत देश के 508 रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण की वर्चुअल माध्यम से आधारशिला रखी थी

■ सुधारीकरण के तहत जीआरपी चौकी, एटीएम और प्याऊ तोड़कर शिफ्ट की जा चुकी

बिजली निगम ने शुरू किया 11 केवी भट्टी गेट फीडर, लोड हुआ कम

झज्जर। बिजली निगम अपने उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा देने के लिए प्रयासरत है। गर्मी के इस मौसम में लोगों को राहत दिलाने के लिए शहर के विभिन्न स्थानों पर लोड को बांटकर कम किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुग्राम रोड स्थित पॉवर हाऊस से होने वाली सिटी नंबर एक क्षेत्र की बिजली सप्लाई का लोड बांटकर नए फीडर 11केवी भट्टी गेट पर डाला गया है। बिजली निगम के एसडीओ सौरभ ने बताया कि सिटी नंबर एक फीडर में पहले सेक्टर 6, गुरुग्राम रोड, सिलानी गेट, त्रिमूर्ति मंदिर, यादव धर्मशाला, भट्टी तक का क्षेत्र शामिल था। इस फीडर पर 220 एम्पीयर का अतिरिक्त लोड था। अब 11 केवी भट्टी गेट नामक नया फीडर शुरू किया गया है जिससे सिटी नंबर एक का लोड लगभग आधा हो गया है। उन्होंने बताया कि नए फीडर से कनेक्ट किए गए क्षेत्र में त्रिमूर्ति मंदिर, यादव धर्मशाल व भट्टी गेट को शामिल किया गया है। नए फीडर के बाद जहां लोड कम होने के कारण बिजली व्यवस्था सुचारू रहेगी वहीं फाल्ट आने के बाद केवल इसी क्षेत्र के उपभोक्ता प्रभावित होंगे और उन्हें परमिट लेने में आसानी रहेगी। बता दें कि इससे पहले पिछले जून माह में भी सिटी नंबर तीन फीडर से 11 केवी आर्य नगर फीडर चालू किया गया था। सिटी नंबर तीन के अंदर के कच्चा तलाव रोड, पुराना बर्फ खाना रोड, आदर्श नगर, कोसली रोड व रहणिया कालोनी क्षेत्र आता था।

झज्जर। नए फीडर पर काम करते बिजली निगम के कर्मचारी।

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

लखमीचंद का वाग्वैभव हरियाणा की शान

काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्यकवि कहलाए दादा लखमी

कविवर लखमीचंद कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की।

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है।

15 जुलाई :जयंती विशेष

चंद्रशेखर शर्मा

जीवन और जगत से जुड़ी चर्चा ध्यान तो खींचती है सभी का किन्तु जब वह बात लोकोपयोगी सिद्ध हो जाती है तो एक साहित्य में स्थान पा जाती है। मैं कौन हूं, कहां से आया हूं, किस लिए आया हूँ ? ऐसे-ऐसे प्रश्न जनसाधारण को और बुद्धिजीवी वर्ग को कभी से सालते रहे हैं।

सम्पन्नता से भरे जीवन के बाद भी आत्मा तुष्टि के लिए संधान में जुटी रही है। यह आत्मा चूंकि उस अच्युत का ही अंश है अतः उसी के परम-स्वरूप का सान्निध्य पाने और उसी में लीन होने के लिए लालायित रहती है। हमारे समाज ने अच्छे-बुरे समय को देखा है पर उस समय में एकरसता का प्रसार करना, समाज में सौमनस्य स्थापित करने का कार्य जो हमारे साहित्यकारों ने किया है, उसे हम कथमपि न्यून नहीं कह सकते। हरियाणा की भूमि ने जहां राष्ट्रभाषा को समृद्ध करने वाले और सजग साहित्यकार दिए वहीं आंचलिकता को सम्पन्न करने वाली विभूतियां भी दीं। इन्हीं आंचलिक विभूतियों में एक नाम है कवि शिरोमणि दादा लखमीचंद का जो अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्य-कवि कहलाए। हम सभी जानते हैं कि जब सूर्योदय होता है तो आकाश के वो सितारे जो सूर्य के पीछे अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं, दिखाई नहीं देते और न ही वो सितारे दिखायी देते हैं जो सूर्य से पहले दिखायी देते हैं। सूर्य का आलोक है ही ऐसा।

यह तथ्य है कि हरियाणा का कोई संस्कृति-प्रेमी अभागा-सा ही प्रतीत होता है जो पण्डित लखमी चंद के नाम से अपरिचित प्रमाणित होता है। उनका नाम प्रदेश के अग्रगण्य साहित्यकारों में आता है। उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन सांगों के माध्यम से किया। सांग (स्वांग) हरियाणा की प्रसिद्ध अभिव्यक्ति-शैली है जिसमें एक समृद्ध परम्परा साफ-साफ हमारे सामने आ खड़ी होती है। पन्द्रह जुलाई सन् 1903 को जिला सोनीपत के गांव जांटी में जन्मे पण्डित लखमीचंद अपठित थे पर अक्षर ज्ञान न होने के बावजूद भी उन्होंने लोकप्रियता के जिस स्तर को छूआ, उसे जानकर आज भी उनका व्यक्तित्व स्पृहणीय है। बेशक वो अपठित थे लेकिन बहुश्रुत होना उन्हें बड़ा रास आया था। दो-सौ रुपये प्रतिमाह पर दो ब्राह्मणों को केवल इसलिए रखा कि वे उन्हें श्रीमद्भागवत की कथा सुना दिया करें और श्रवणोपरान्त किसी शब्द का सही अर्थ बता दिया करें तथा किसी शंका का समाधान भी प्रस्तुत कर दिया करें। उनकी यह सार-संग्रही -वृत्ति उन्हें अग्रगण्य बना गई।

मण्ढाणा गांव के जिस दिव्य और सिद्ध पुरुष के यह बात पुष्ट हुई कि इस (लखमीचंद) से क्या प्रश्न पूछा जाय, इसके तो मुख पर साक्षात सरस्वती का वास है। वैसे मण्ढाणे वाले बाबा की सिद्धियों की मैंने भी अपने घर-परिवार में सुनी है। उनकी एक प्रति या भिवानी के किरोड़ीमल मन्दिर में देखी जा सकती है।

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है। सेठ ताराचन्द्र, शाही लक्कड़हारा, नल-दमयंती, मीरा बाई आदि उनके जितने भी स्वांग हैं, उनमें पात्रों को जिस प्रकार से भाव मण्डित किया गया है, वह बेमिसाल है।

परम तत्त्व के साथ जुड़ जाने की तीव्र लालसा और संसार की इच्छाओं और आकर्षण के प्रति बिराग लिए घूमना व्यक्ति को व्यक्ति नहीं कुछ और ही बना देता है। ऐसी अवस्था में ये बोल मुख से निकल आएं तो क्या आश्चर्य कि

'लख चौरासी खतम हुई ना बीत कलप युग चार गए
कितनी मायां का दूध पी लिया मरते-मरते हार गए।'

ऐसे विचार किसी मुमुक्षु के ही हो सकते हैं। उनके विचार जो सामने आते हैं, उनका स्तर जन सामान्य के स्तर से कहीं ऊंचा है।

लौकिक व्यवहार को जानने वाले इस सच से वाकिफ होंगे कि प्रणय-सम्बंधों की जब शुरुआत होती है तो पहला कदम पुरुष को ही उठाना होता है किंतु सत्यवान और सावित्री के प्रसंग में यह हरकत, यह पेशकश सावित्री की ओर से आती है। 'फर फर, फर-फर फररर.. होरी हवा में उड़ता चीर तेरा' नामक रागनी नारी का नर के आगे प्रणय निवेदन करना देखने और सुनने वाले में रोचकता को भर देता है। 'मेरा कुणसा ढंग सुसराड़ जान का दमयंती भोली-भाली, कोए बुरा कहै कोए भला कहै कोए राम-राम बुरा दे गाली' कविताई को जानने वाले सहज ही अनुमान लगा लेते हैं कि शब्द पण्डित जी के आगे प्रार्थना कर रहे हैं, अपने चयन के लिए। अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर उन्होंने सामाजिक हित के बहुत कार्य किए। वैदिक पाठशाला खोलना, गोशालाएं खोलना, तालाब आदि खुदवाना जैसे बहुत से प्रशंसनीय कार्य उन्होंने किए। कुछ विवशताओं के चलते उन्हें शराब पीने की लत भी लगी, जिसका परिणाम यह हुआ कि उनका स्वास्थ्य निरन्तर गिरने लगा। गाँव कुमासपुर में जनता के भारी आग्रह पर उन्हें एक सांग में लाया गया था। उस स्थान पर लोगों ने उनकी अन्तिम उपस्थिति देखी थी। वर्ष 1945 में वो देदीप्यमान नक्षत्र इस संसार से विदा ले गया। उनकी वंश परम्परा में आज उनके पौत्र पण्डित विष्णुदत्त हैं। शिष्य परम्परा में कई नाम हैं, पर पण्डित मांगेराम उनके सर्वाधिक प्रिय सांगी हुए हैं।

कविवर लखमीचंद के व्यक्तित्त्व और कृतित्व का प्रभाव क्या कहिए, कई दृष्टांत ऐसे हैं जो अचम्भित करते हैं। जैसे ही समाज में यह खबर फैली कि पण्डित लखमीचंद अब इस दुनिया में नहीं रहे तो रोहतक के सोनीपत स्टैंड पर एक किसान ने चीखते हुए अपने ऊपर मिट्टी का तेल डाला और आग लगा ली, उसके ये शब्द -'हाय दादा! तेरे बिना कोन्या जिया ज्यावै।' वह कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की। फिर कोई पण्डित मान सिंह सरीखा गुरु आए और पण्डित लखमीचन्द्र जैसा शिष्य दे दे।

रागनी | **रामधारी खटकड़**

बेटी हिन्दुस्तान की

सुण बेटी हिन्दुस्तान की तू बहोत घणी होशियार
जगत म्हं हो नाम...हे तेरी चाहूं जय जयकार (टेक)

सामाजिक प्रदूषण बढग्या , इसनै दूर हटाईये बेटी
नशीली इस संस्कृति म्हं बिल्कुल खो ना जाईये बेटी
विज्ञापन की चमक-दमक तै अपणा गात बचाईये बेटी
गुण्डागर्दी छीनाझपटी जगह - जगह इब दीक्खै हे
बाजार गर्म है नंगेपण का , हर चैनल पै चीखै हे
मॉडल आळा सपना लेकै , नया ऐब ना सीखै हे
बुराई तै टकरा...और नया माहौल कर त्यार.....
जगत म्हं हो नाम.....

भगतसिंह की दुर्गा भाभी , तनै बणाणा चाहूँ सूं
शहीदां नै इस देश के अन्दर फेर बुलाणा चाहूँ सूं
भ्रष्टाचारी इस सिस्टम तै पिण्ड छुड़ाणा चाहूँ सूं
कमरे म्हं फिल्मी चित्र , बिल्कुल ना चिपकाईये हे
बिगड़ी जा रही शान देश की , इसनै ईब बचाईये हे
चन्द्रशेखर राजगुरू सुखदेव का फोटू लाईये हे
चाहिए सै हथियार....हे ले ज्ञान हथियार....
जगत म्हं हो नाम......

काला चश्मा तार आंख तै , आंख खुलैगी तेरी हे
नन्हीं - नन्हीं जान देश की ढाब्यां पै दुख खे री हे
बर्तन मलमल जिन्दगी को ये मुश्किल धक्का दे री हे
किते - किते गोदाम सड़ैं , किते भूखे बच्चे रोते हैं
टूक मिलै ना पेट भराई , सुबक - सुबक कै सोते हैं
भ्रष्टाचारी माणस देखो मिलकै नाव डुबोते हैं
मिलकै इसे बचा...ना तै डुब्बैगी मझधार......
जगत म्हं हो नाम.............

स्वाभिमान तै जीणा सीख , बात मेरी ले मान लाडली
हर क्षेत्र म्हं आगै बढकै , हिन्द की बणज्या शान लाडली
तेरे लबों से सुणना चाहूं , जागृति का गान लाडली
दुनियां म्हं म्हारी इज्जत बढज्या , ऐसे करिये काम हे
तेरा पिता मैं न्यूं चाहूं , तू म्हारा कर दे नाम हे
हम जीन्द जिले के रहणे आळे , खटकड़ सै म्हारा गाम हे
रामधारी नै तू गा....फेर नया बसै संसार.......
जगत म्हं हो नाम

रागनी | **पवन मित्तल**

कवि सै दरबारी कोन्या

कवि सै दरबारी कोन्या, इतने अनाचारी कोन्या ।
सत्ता के पुजारी कोन्या, जो गीत उनके गाएं जां ।। टेक

कवि धोरै कवि आवैं , चलै ज्ञान के रगड़े
तर्कशास्त्र करने की खातिर , सारे होज्यां तगड़े
रहण दो सब झगड़े टंटे, छलकै उड़ै प्रेम के बंटे
होज्यां बारहा-बारहा घंटे , सुने जां सुनाये जां...1

सच्चाई तै लिखना म्हारा , ना भय कोए गम ना
सब दुनिया का भला चाहवै सै , हम किसै तै कम ना
चलै कलम जब भी म्हारे पै,चोरां की नाड़ धरी आरे पै
समता और भाईचारे पै , लिखे जां लिखाये जां...2

कवि धर्म एकाधां जाणै , बहोत मिलै बेवकूफ
बनकै भांड घणे हांडै सै , इसाए इनका भूप
फिर कोई नेताजी चाहिए,ना कमती ना बाहदू चाहिए
राजनीति का साधु चाहिए , जो बसे जां बसाए जां...3

पवन मित्तल कवियां म्हं रहकै , मन होग्या सै जोगी
डर भय का कोए काम नहीं , डरा करै सै भोगी
बामणवास का नाम करादे, जियानंद का भजन करादे
देश हित की रागनी करादे , गाएं जां बजाये जां....4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

जागीर

मराठों ने जार्ज थॉमस की बढ़ती शक्ति को देख अपने कमांडर जनरल पैरों को उस पर धावा बोलने के आदेश दिए

जहाजगढ़ में 1801 में हुआ था भीषण युद्ध

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

झज्जर के पश्चिम में स्थित जहाजगढ़ गांव के इर्द गिर्द महीने भर तक भीषण युद्ध हुआ था। दिल्ली दरबार पर मराठों का वर्चस्व कायम होने पर उन्होंने आयरलैंड वासी अपने एक कमांडर को झज्जर की जागीर प्रदान की थी। जार्ज थॉमस नामक यह अधिकारी कुछ ही महीनों में इतना शक्तिशाली बन गया कि उसने न केवल जहाजगढ़ में एक किला बना लिया बल्कि मराठों से स्वतन्त्र होकर अपना एक नया राज्य ही स्थापित कर लिया था। ये सभी गतिविधियां वर्ष 1794 से 1801 के मध्य की गई थी।

दिल्ली की तलहटी से लेकर हांसी-हिसार तक गठित अपने राज्य का नाम सर्वप्रथम हरियाणा उसी ने रखा था लेकिन उसके इतना बलशाली एवं स्वतन्त्र होने पर मराठों को दिल्ली के लिए खतरा अनुभव होने लग गया था। तब वर्ष 1801 में मराठा मुखिया सिंधिया ने अपने कमांडर जनरल पैरों को जार्ज पर धावा बोलने का आदेश दे दिया। लेकिन तब तक जार्ज थॉमस एक बड़ी सेना गठित कर चुका था। वह हांसी के किले में तोपे बनाने का कार्य कर चुका था। उसके तीन और स्थानों झज्जर, जहाजगढ़ तथा हांसी में पर्याप्त युद्ध सामग्री का संग्रह हो चुका था। मराठों तथा जार्ज दोनों की सेनाओं में यूरोपीय कमांडर नियुक्त थे। जनरल पैरो फ्रान्स देश का वासी था। अन्ततः वार्ता आदि के विफल रहने पर मराठा सेना ने लुईस बौरकीन के नेतृत्व में जार्ज के गढ़ जहाजगढ़ पर सितम्बर 1801 में आक्रमण कर दिया। जनरल पैरों स्वयं झज्जर तक आया तथा भरे खां नामक अधिकारी को झज्जर का प्रशासक बनाया गया। फिर बौरकीन व स्मीथ की सेना ने भारावास थली तथा माजरा गांव के पास कैम्प किया। उधर जार्ज भी हांसी का चार्ज रोहिला बटालियन को सौंपकर जहाजगढ़ किले में पहुंच गया और सितम्बर के अन्तिम सप्ताह से ही युद्ध आरम्भ हो गया। दोनो ओर से तोपें चलती रहीं। प्रायः प्रतिदिन युद्ध होने लग गया। जार्ज के पास भी तीन विश्वासपात्र युरोपीय कमांडर होपकीन, कैप्टन ब्रीच व कैप्टन हीयरसे थे। जिन्होंने मराठा सेना का महीने भर तक मुंहतोड़ जवाब दिया। तब मराठों के सामने ज्यादातर देशी शासक नतमस्तक होते थे, इसलिए जनरल के आग्रह से विभिन्न देशी शासकों की सैन्य सहायता भी जहाजगढ़ में पहुंच गई। इनमें सिख शासक गुरदत्त सिंह, गंगा सिंह, भाई लाल सिंह, ब्रजबन्दी सिंह, भरतपुर शासक रणजीत सिंह, हाथरस राजा रामधन सिंह, दोआब आमील रामदयाल तथा बेगम समरू के सैनिक जहाजगढ़ पहुंच गए। ऐसे में स्वयं आंकलन कर सकते हैं कि इतनी भारी भरकम सैन्य शक्ति का मुकाबला जार्ज ने किया था तो कितना भीषण युद्ध हुआ होगा। इस प्रकार सन 1801 का पूरा अक्टूबर महीना जहाजगढ़ के इर्द-गिर्द युद्ध हुआ। अन्त में जॉर्ज के किलेदार सिताब खां ने दुश्मन से मिलकर जहाजगढ़ के किले में आग लगा दी। तब बचे हुए अपने सैनिकों के साथ जार्ज 10 नवम्बर 1801 की रात को हांसी पलायन कर गया। मराठों की सम्मिलित सेना भी पीछा करती हुई एक सप्ताह बाद हांसी के बाहर पहुंच गई। 8-10 दिनों तक जार्ज की सेना ने हांसी में भी युद्ध किया। आखिर कुछ युरोपीय सैनिकों के परामर्श से जार्ज ने दिसम्बर 1801 में आत्मसमर्पण कर दिया। आश्चर्य की बात है कि उस भीषण ऐतिहासिक युद्ध का हरियाणा प्रदेश के शिक्षा विभाग की किसी भी पुस्तक में विवरण नहीं दिया गया है।

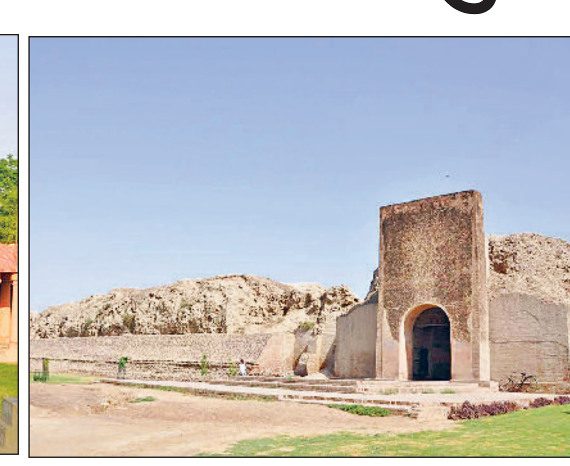

हिसार स्थित जॉर्ज कोठी जो जॉर्ज थॉमस का निवास स्थान थी, इसे वर्तमान में जहाज कोठी के नाम से जानते हैं। हांसी के प्राचीन किले के अवशेष जहां जॉर्ज ने अपने राज्य की राजधानी स्थापित की।

लोक कला एवं संस्कृति अतीत की विरासत : डॉ. सीमा वत्स

कलाकार | **ओ.पी. पाल**

हरियाणवी संस्कृति में लोक कला एवं संगीत की परंपरा की विरासत को संजोने के लिए लोक कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला के रंग बिखेर रहे हैं। ऐसे ही कलाकारों में महिला लोक कलाकार डा. सीमा वत्स भी कविताओं और गीत संगीत के साथ लोक नृत्य की कला को आगे बढ़ाने में जुटी हैं। अपनी लोक कला के जरिए वह लिंग भेदभाव, नारी विमर्श और सामाजिक सरोकार के मुद्दों को लेकर समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रही हैं। खासकर वह नई पीढ़ी को लोक कला एवं संस्कृति की शिक्षा देकर उन्हें अपनी परंपराओं से जुड़े रहने का भी संदेश दे रही हैं।

अपनी लोक नृत्य और गीत संगीत के सफर को लेकर एक शिक्षिका, कवयित्री और लोक कलाकार डा. सीमा वत्स ने बातचीत के दौरान कई ऐसे पहलुओं को भी रखा है, जिसमें लोक कला, संगीत और संस्कृति एक अतीत की विरासत ही नहीं है, बल्कि भविष्य का आधार भी हैं, जिससे अपनी संस्कृति को जीवंत रखने के साथ युवा पीढ़ी को आत्मिक, रचनात्मक और सामाजिक रूप से समृद्ध बनाना संभव है। हरियाणा की लोक कलाकार डा. सीमा वत्स (डॉ. सीमा रानी) का जन्म 4 मई 1981 को करनाल जिले के घरौंडा में मध्यमवर्गीय ब्राह्मण परिवार में हरिकिशन शर्मा और कमला देवी के घर में हुआ। घर परिवार में किसी तरह का साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था, लेकिन घरों में तीज़ त्योहार शादी ब्याह आदि समारोह में गीत, संगीत, नृत्य, अभिनय जैसी कलाकारी देखने को जरूर मिलती रही। उनकी प्राइमरी से इंटरमिडिएट की शिक्षा सरकारी स्कूल में हुई। आर्य कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ही महज 19 साल की आयु में इनका विवाह हो गया और अगले वर्ष मातृत्व सुख और गृहस्थ जीवन की जिम्मेवारियों के साथ पढ़ाई को जारी रखना और लोक कला को जीवित रखना उनके लिए संघर्षशील रहा। चबचपन से ही उन्हें गीत संगीत की अभिरुचि के साथ साहित्य का भी शौक था। उन्होंने एमएससी किया और दोबारा से एमए (अंग्रेजी) की शिक्षा पूरी की। इसके बाद वह पीएचडी पूरी करने में भी कामयाब रही। जीवन के ऐसे उतार-चढ़ाव के बीच उन्होंने लोक नृत्य विधा को अपने से दूर नहीं होने दिया। लोक संस्कृति में नृत्य और गीत की अभिरुचि के चलते ही उन्होंने ग्रेजुएशन में संगीत विषय को चुना था। बकौल डा. सीमा वत्स उनकी कला एवं साहित्यिक गतिविधियों तथा लेखन का फोकस सामाजिक सरोकार के मुद्दे रहे हैं। पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों का और भीख मांगते बच्चों का स्कूल में दाखिला, पर्यावरण संरक्षण के लिए भी कार्य कर रही हैं। डा. सीमा वत्स गीता जयंती, जिला स्तरीय कार्यक्रमों, कवि सम्मेलन और काव्य गोष्ठी, रेडियो आकाशवाणी आदि में अपने लोक नृत्य का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्हें कार्यस्थल और घर की कक्षाओं में सांस्कृतिक प्रभारी और कोरियोग्राफर के अलावा जिला राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में कोरियोग्राफर के रूप में कार्य करने का भी अनुभव है।

पुरस्कार और सम्मान

लोक कलाकार डा. सीमा वत्स को लोक कला व संगीत में अनेक पुरस्कार व सम्मानों से नवाजा जा चुका है। भारत नेपाल साहित्य सम्मेलन में स्वर साधना मंच द्वारा उन्हें काव्य स्पंदन सम्मान से अलंकृत किया जा चुका है। वहीं उन्हें गोपाल दास नीरज साहित्य समूह साहित्य सम्मान, पंडित रामप्रसाद बिस्मिल सम्मान, कला सांस्कृतिक साहित्य सम्मान, सनिधा साहित्य श्री सम्मान, राष्ट्र शक्ति शिरोमणि सम्मान, बी एम बी एक्सीलेंस अवार्ड और लखनऊ में हेल्प यू नारी अस्मिता सम्मान से भी पुरस्कृत किया जा चुका है। इसके अलावा उन्हें सार्थक सेवा समिति, आशा रंगलाल जगदेव फाउंडेशन और श्री शक्ति स्वरूपा भव्य भारत की दिव्य विभूति जैसी संस्थाएं सम्मानित कर चुकी हैं।

आधुनिक युग में चुनौती

डा. सीमा वत्स का इस आधुनिक युग में लोक कला एवं संस्कृति के सामने चुनौतियों को लेकर कहना है कि इंटरनेट व सोशल मीडिया के प्रभाव, लोक कला, रंगमंच, अभिनय, संस्कृति और साहित्य जैसी परंपरागत विधाओं में देखा जा रहा है। खासकर युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति से दूर होती जा रही है, जिसके कारण पहले की तुलना में कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि कुछ कम होना स्वाभाविक है। खासतौर से डिजिटल युग में पारंपरिक कलाओं की जगह आधुनिक, तकनीकी और त्वरित मनोरंजन के साधन बन गये और युवाओं को ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, सोशल मीडिया, गेमिंग और रील्स जैसी चीजें भाने लगी हैं। जबकि लोक कला या साहित्य जैसे क्षेत्र ही समाज को सकारात्मक ऊर्जा और अपनी संस्कृति से जोड़े रखता है। ऐसे में आवश्यकता है कि युवाओं को साहित्य और लोक कला व संस्कृति के प्रति प्रेरित करने की दिशा में स्कूली और कॉलेज स्तर पर पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। वहीं सरकारी और निजी स्तर पर लोक कला व संस्कृति के संरक्षण और प्रोत्साहन देने की जरूरत है।

खबर संक्षेप

युवती पर देह व्यापार का केस दर्ज

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने गत शनिवार को नाईवाली चौक पर की गई रेड के मामले में एक युवती के खिलाफ देह व्यापार कराने का केस दर्ज किया। पुलिस ने होटल पर बोगस ग्राहक बेचकर दो महिलाओं को काबू किया था। होटल संचालक के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने बहरोड़ की रहने वाली एक युवती के खिलाफ भी केस दर्ज किया है।

मारपीट मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

डहीना। सीहा में गत 2 जून को मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ति पक्ष के बयान पर कई आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। उन पर तोड़फोड़ करने के आरोपी भी लगाए थे। पुलिस ने इस मामले में सीहा निवासी राजबीर, प्रवीन व औलांत निवासी नितिन को गिरफ्तार कर लिया।

चिल्हड़ के पास पड़ा मिला शव

रेवाड़ी। चिल्हड़ से हौज खास रोड पर रविवार सुबह 40 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ है। पुलिस को सूचना मिली थी कि सड़क किनारे शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने के बद सदर थाना पुलिस ने मौके पर जाकर शव कब्जे में ले लिया। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। मृतक की पहचान जाटू भूरथल निवासी मनोज के रूप में हुई है। वह घर से लापता हो गया था। मृतक के शरीर पर तारों से छिले होने के निशान पाए गए हैं।

चोरी के मामले में नाबालिग गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है। मनेठी में रहने वाले राजस्थान के मूल निवासी लालचंद की शिकायत पर गत 11 जुलाई को बाइक चोरी का केस दर्ज किया था। केस दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया था।

शहर में विभिन्न स्थानों पर लगाए जाएंगे सेवा शिविर

कांवड़ सेवा शिविर के लिए तैयारियां जोरों पर

- कांवड़ियों को बेहतर सेवाएं देने के उद्देश्य से उनके द्वारा नए शौचालयों का निर्माण भी कराया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। कांवड़ सेवा शिविर के लिए तैयार किया गया टेंट। फोटो :हरिभूमि

सावन का महीना शुरू हो चुका है। ऐसे में कांवड़ लेकर आने वाले शिवभक्तों के लिए कांवड़ शिविर लगाने वाले श्रद्धालुओं द्वारा तैयारियां की जा रही है। शहर में जगह-जगह लगने वाले कांवड़ शिविर के लिए संचालकों द्वारा कांवड़ियों के ठहरने व उन्हें बेहतर सुविधा मुहैया कराने के इंतजाम किए जा रहे हैं। अधिकांश शिविर संचालकों द्वारा जहां आगामी सत्रह या अट्ठारह जुलाई से कांवड़ शिविर शुरू करने की बात की जा रही है वहीं शहर के सांपला बाइपास सौलह जुलाई से शुरू होने वाले विशाल कांवड़ सेवा शिविर के लिए टेंट लगाने का कार्य शुरू हो चुका है। कांवड़ियों को बेहतर सेवाएं देने के उद्देश्य से उनके द्वारा नए शौचालयों का निर्माण भी कराया जा रहा है। श्रद्धालु एवं धर्मकांटा संचालक सुरेंद्र ने बताया कि उनके यहां दूसरी बार विशाल कांवड़ सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा जो सौलह जुलाई से शुरू हो जाएगा। पहले वे क्षेत्र के रामपुरा गांव के बाहरी हिस्से में सड़क पर शिविर लगाकर कांवड़ियों की सेवा करते थे लेकिन वहां फ्लाईओवर बन जाने से अब इस स्थान को चुना गया है। इसी प्रकार सब्जी मंडी ग्रुप सदस्यों द्वारा सांपला रोड पर चौहान पैलेस में 18 जुलाई से कांवड़ शिविर लगाया जाएगा। ग्रुप के प्रमुख सदस्य मनोज चुघ ने बताया कि वे इस संबंध में बीते सप्ताह बैठक कर अपने साथियों के साथ विचार-विमर्श भी कर चुके हैं। उधर, शहर की गुर्जर धर्मशाला में पिछले तीन दशकों से लगाए जा रहे शिव गणेश कांवड़ सेवा शिविर की जानकारी देते हुए श्रद्धालु अनिल सैनी, बिंदू, अनुज भटनागर आदि ने बताया कि उनका शिविर 17 जुलाई से शुरू होगा। इसके लिए उनकी तरफ से तैयारियां कर ली गई हैं

औरंगपुर गांव में पौधरोपण करके दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान हाथों में पौधे लिए हुए ग्रुप सदस्य। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

- सर्वभद्र ग्रुप सदस्यों द्वारा इस मानसून में रखा पांच हजार पौधे रोपित करने का लक्ष्य

सर्वभद्र ग्रुप के सदस्यों द्वारा रविवार को ग्रीन झज्जर मिशन के अंतर्गत क्षेत्र के गांव औरंगपुर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में न्यूवो पॉलिमर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक युवराज रोहिल्ला एवं समाजसेवी संदीप कुमार ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण करने का आह्वान करते हुए उन्हें पौधों की देखभाल के लिए भी जागरुक किया। ग्रुप के प्रधान अजित कुमार सांभरवाल ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान पंचायती भूमि, सड़क किनारे व औद्योगिक क्षेत्र में एक सौ अधिक पौधे रोपित किए गए। उन्होंने बताया कि इस मानूसन में ग्रुप द्वारा जिले में करीब पांच हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

इस दौरान ग्रामीणों में पौधा वितरण भी किया गया। इस मौके पर दिनेश कुमार, मुकुल खटीक, भूमि गुप्ता, साहिल, अनूप, अनिल कुमार एवं परिवेंद्र सिंह सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

छारा में कैंप लगाकर स्वास्थ्य जांचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। छारा में ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांचती चिकित्सक। फोटो :हरिभूमि

गांव छारा की बाबा संतोक दास धर्मशाला में श्रीराम हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। प्राथमिक स्वास्थ्य जांच के बाद उन्हें मुफ्त परामर्श और निःशुल्क दवाइयां दी गईं। कर्नल कृष्ण दलाल ने ग्रामीण चिकित्सा के क्षेत्र में ऐसे प्रयासों को सराहा। मुस्कान दलाल फाउंडेशन के अध्यक्ष मास्टर प्रदीप ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करते रहेंगे। पंच अनिल दलाल ने कहा कि ग्रामीणों के लिए समय-समय पर स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है। डॉ. पवन खरकड़ा ने कहा कि ग्रामीणों को बीमारियों से बचाने के लिए जागरूक करना उनका दायित्व है। इस अवसर पर कैप्टन राजू, कैप्टन जीत सिंह, सूबेदार जोगेंद्र सिंह, सूबेदार मेजर राकेश दलाल, मामन पंडित, सूबेदार रोहतास, सूबेदार प्रदीप, राजेंद्र फौजी, दीपक दलाल आदि मौजूद रहे।

शिव ही सृष्टि के आदि और अनन्त हैं : पवन

- भोलेनाथ की शरण में ही जीव का परम कल्याण होता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। बाबा कांशीगिरी मंदिर परिसर में भजनों की प्रस्तुति देते हुए महिला मंडली सदस्य। फोटो :हरिभूमि

बाबा कांशीगिरी मंदिर परिसर में चल रही शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन कथा वाचक पंडित पवन कौशिक ने कहा कि शिव पुराण की कथा हम सबके कल्याण और व्यक्ति को सही मार्गदर्शन देने की कथा है।

शिव पुराण कथा का श्रवण करने से मात्र से लोगों के कष्ट दूर हो जाते हैं। कथा व्यास ने शिव महापुराण का वर्णन करते हुए कहा कि भोलेनाथ की शरण में ही जीव का परम कल्याण होता है। शिव शब्द का अर्थ कल्याण एवं संतुलन है। शिव ही सृष्टि के आदि और अनंत हैं। उन्होंने कहा कि शिव महापुराण के अनुसार सावन माह में आने वाले सोमवार को जो भक्त उपवास रखता है, शंकर भगवान उसकी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं और उसे सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। कार्यक्रम में संगीता वर्मा, इंदु भूगड़ा ने भोले का जयकारा तू लगा के देख ले, बन जाए सारे काम तू भी आके देख ले..शशी बहल ने डम डम डमरू बजाएं मेरा भोला..भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मन्त्र मुग्ध कर दिया। इस मौके पर नारायणी सरदाना, संतोष अरोड़ा, हर्ष चावला, किरण अरोड़ा, संगीता वर्मा, उषा काठपालिया, आशा ग्रोवर, शशी खत्री, सृष्टि रंजन, यशिका रंजन, आंचल सेठी, उमा गुलाटी, पुष्पा मेहता, राहुल शास्त्री, रमेश लखेरा सहित अन्य काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। युकां प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया के साथ प्रदीप यादव व अन्य। फोटो :हरिभूमि

युकां प्रदेशाध्यक्ष से की मुलाकात

बहादुरगढ़। युवा कांग्रेस के स्थानीय नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने हरियाणा यूथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया से मुलाकात की। युकां के प्रदेश महासचिव प्रदीप यादव, बहादुरगढ़ हलका प्रधान धर्मेंद्र राणा, कमल अरोड़ा, वरुण राठी, रामअवतार गहलावत, अंकुश दुहन व प्रदीप वर्मा आदि ने कटारिया से मुलाकात की। इस दौरान निशित कटारिया ने कहा कि वर्तमान सरकार में प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। आमजन खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। उनके अनुसार यूथ कांग्रेस युवाओं, किसानों और मजदूरों की आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी और सरकार की जनविरोधी नीतियों का डटकर विरोध करेगी। इस दौरान निशित कटारिया ने युवाओं से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर लोकतांत्रिक तरीके से बदलाव की राह पर आगे बढ़ें।

पति व ससुरालियों पर लगाए गंभीर आरोप

बहादुरगढ़। एक विवाहिता को मारपीट कर घर से बाहर निकालने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पति व अन्य ससुरालियों पर ये गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है। पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है।

मामला बादली थाना क्षेत्र का है। महिला का कहना है कि करीब 12 साल पहले उसकी शादी रवि से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही दहेज को लेकर प्रताड़ित किया जाने लगा। नशे की लत का शिकार पति मानसिक व शारीरिक अत्याचार करता है। बच्चों के कारण वह सहती रही। सास व अन्य परिजन भी पति की तरफ हैं। कुछ महीने पहले पति, सास, देव व देवरानी ने मारपीट कर मुझे घर से बाहर निकाल दिया। मारपीट में मेरा हाथ टूट गया। इसके बाद मायके वालों ने ईलाज कराया। पीड़िता की इस शिकायत पर पुलिस ने दोनों पक्षों में बातचीत की। काउंसलिंग हुई लेकिन बातचीत सिरे नहीं चढ़ सकी। अब महिला की शिकायत पर बादली थाने में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज हुआ है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है।

महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में जिला वासियों ने बढ़-चढ़ कर लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज भगत के नेतृत्व में भाग लेने जाते हुए जिलावासी।

महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को भिवानी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में झज्जर से सैकड़ों की संख्या में लोग पूरे जोश और उत्साह के साथ रवाना हुए। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि रहे। राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन संत महापुरुष सम्मान एवं विचार-प्रसार योजना के तहत किया गया था। रविवार सुबह ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज भगत, राजेश प्रजापति दुजाना, अमित तलाव, उत्तम नंबरदार मलिकपुर, प्रधान रामपत ठेकेदार, पूर्व प्रधान बलवान, अनिल व मास्टर करतार दुजाना, श्रीभगवान धौड़, सोमबीर, अश्विनी ढाकला सहित काफी संख्या में लोग जोश व उत्साह के साथ रवाना हुए।

‘पौधों की करें अच्छी प्रकार से देखभाल’

बहादुरगढ़। पर्यावरण प्रेमी सत्यपाल सिंह मलिक का कहना है कि पर्यावरण को बचाने के नाम पर हर वर्ष विभिन्न सरकारी विभागों व गैर सरकारी संस्थाओं व अन्य संगठनों द्वारा हजारों पौधे लगाए जाते हैं, लेकिन पौधे लगाने के बाद इनकी देखभाल न होने के कारण पौधे खराब हो जाते हैं। हर वर्ष जुलाई माह में प्रशासन द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम चलाया जाता है और हजारों पौधे गांवों व क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में लगाए जाते हैं। आम तौर पर देखने में आता है कि पौधे लगाने के बाद इनकी देखभाल के लिए न तो कोई प्रबंध किया जाता है और न ही किसी अन्य की जिम्मेवारी तय होती है, परिणाम यह निकलता है कि पौधा फल-फूल नहीं पाता। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे उन पौधों की अच्छी प्रकार देखभाल करें और समय पर पानी अवश्य डालें।

झज्जर। कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम में उपस्थित शिक्षक। फोटो :हरिभूमि

सभी शिक्षकों को बताए पढ़ाने के नए तरीके

झज्जर। एलए सीनियर सैकेंडरी स्कूल में रविवार को एक दिवसीय कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। सीबीएसई की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में स्कूल के सभी शिक्षकों ने भाग लिया। सीबीएसई रिसोर्स पर्सन सुरेखा ने शिक्षकों को नए अंदाज से बच्चों को पढ़ाने के तरीकों की जानकारी दी। स्कूल प्रबंधक केएम डागर ने बताया कि इस सत्र से कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों को आर्ट इंटीग्रेशन के माध्यम से कक्षाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। स्कूल प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रचनात्मकता द्वारा सरल तरीके से शिक्षा प्रदान कराना है। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनीता गुलिया व नीलम दहिया ने इस सफल वर्कशाप के लिए शिक्षकों व प्रशिक्षकों की सराहना की। इस मौके पर स्कूल एचओडी रविंद्र लोहचब, पिंकी अहलावत, पुष्पा यादव, डीपीई संजीत सांगवान, अमित लोहचब सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

योग को बनाए दिनचर्या का हिस्सा, हल्दी-सौंफ मिलाकर करें दूध का सेवन, ठंडे पेय पदार्थों से बनाएं दूरी

बरसाती सीजन में संतुलित आहार का करें सेवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

मानसून के दौरान संक्रमण और वायरल बीमारियां ज्यादा फैलती हैं। ऐसे में खानपान में लापरवाही सेहत बिगाड़ सकती है। बीमारियों से बचने के लिए चिकित्सक संतुलित आहार का सेवन करने का परामर्श दे रहे है। वहीं शरीर में इम्यूनिटी सिस्टम बढ़ाने के लिए योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाने, हल्दी-सौंफ मिलाकर दूध का सेवन करने, ठंडे पेय पदार्थो से दूरी बनाने के अलावा हल्का गर्म पानी पीने की सलाह भी दे रहे है। विशेषज्ञों का कहना है कि बरसाती सीजन में मौसम में नमी होने के कारण बैक्टीरिया के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में पत्तेदार सब्जियों के सेवन करने से बचें, वहीं मौसमी सब्जियों व फलों का सेवन करें। भोजन में मांस का प्रयोग न करें और एल्कोहल से भी दूरी बनाएं रखें।

गुनगुने पानी का करें प्रयोगः जिला आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पवन देशवाल ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण मौसम जनित बीमारियों में इजाफा हो रहा है। लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे है। अगर लोग आयुर्वेद को अपनाते हुए घरेलू नुस्खों का प्रयोग करते है तो इन बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि सबसे पहले ठंडे पेय पदार्थो व चीजों का सेवन न करें। योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। वहीं दूध में हल्दी व सौंफ बनाकर सेवन करें। जिससे शरीर में इम्यूनिटी पॉवर बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि सुबह नाश्ते में चाय व कॉफी न ले। उसकी जगह पानी में सौंफ उबालकर उसमें नींबू का रस मिलाकर प्रयोग करें। नींबू का सेवन करने से शरीर में पानी की कमी पूरी होती है। इसके अलावा नारियल पानी का प्रयोग भी शरीर में इम्यूनिटी पॉवर बढ़ाने के लिए कर सकते है। उन्होंने बताया कि इन दिनों में पत्तेदार सब्जियां जल्दी खराब हो जाती है। क्यूंकि ये सब्जियां सर्दी के मौसम में ज्यादा होती है। इसलिए मौसमी सब्जियों का सेवन ज्यादा करें। उन्होंने दही का सेवन भी इस मौसम में कम से कम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि दही पाचन प्रक्रिया को बिगाड़ सकती है। क्यूंकि दही की तासीर गर्म होती है। बरसाती मौसम में दही का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रात का खाना भी जल्द खाना चाहिए।

योग को बनाए दिनचर्या का हिस्सा

डॉक्टर पवन देशवाल ने बताया कि योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाए। योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है और मन भी शांत रहता है। अनोम-विलोम, भ्रामरी, कपालभाती आदि योग क्रियाएं प्रतिदिन करनी चाहिए। इसके अलावा शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सुबह-शाम वाकिंग या जॉकिंग भी कर सकते है। व्यायाम करने से पसीने के माध्यम से शरीर की अधिकांश बीमारियां स्वयं बाहर निकल जाती है।

झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित किशोर-किशोरी एवं अभिभावक। फोटो :हरिभूमि

लैंगिक समानता व बाल विवाह की रोकथाम के लिए ग्रामीणों को किया जागरूक

झज्जर। ब्रेकथ्रू संस्था द्वारा क्षेत्र के गांव खाचरोली में किशोर-किशोरी मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किशोर-किशोरियों और समुदाय को लैंगिक समानता, बाल विवाह की रोकथाम आदि के प्रति जागरूक किया गया। संस्था सदस्यों द्वारा प्रस्तुत नाटक में मेरा अधिकार, शिक्षा का महत्व व समानता के अधिकार जैसे गंभीर विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। ब्रेकथ्रू संस्था की जिला प्रबंधक रूचि व सदस्य साहित ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरों और किशोरियों को सुरक्षित, सम्मानजनक और समान अवसरों वाला वातावरण प्रदान करना है, जहां वे बिना किसी भेदभाव के अपने जीवन का निर्माण कर सकें।

शहर की सीवरेज व्यवस्था ध्वस्त, दूषित पानी मेनहोल से निकलकर सड़कों पर बह रहा

■ पार्षद वजीर राठी बोले- जर्जर सीवर लाइनों के कारण गंदा पानी आगे नहीं जा रहा

देव नगर, अग्रवाल कॉलोनी, टीचर कॉलोनी, महावीर पार्क व आर्य नगर में हालात खराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर की कई कॉलोनियों में ध्वस्त हुई सीवरेज व्यवस्था नागरिकों के गले की फांस बन चुकी है। देव नगर, अग्रवाल कॉलोनी, टीचर कॉलोनी, महावीर पार्क व आर्य नगर में हालात खराब हैं। ये हाल तो तब है, जब इसी सरकार ने अमरुत योजना के तहत करीब सौ करोड़ रुपए पेयजल व सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर खर्च किए हैं। बावजूद इसके कई कॉलोनियों के लोग बेहद खराब दौर से गुजर रहे हैं। बता दें कि शहर में कई कॉलोनियों की सीवर लाइनें महीनों से रुकी पड़ी है, जिसके कारण गंदा पानी आगे नहीं निकल पा रहा। इसका सीधा असर आसपास के सैकड़ों घरों में रहने वालों पर पड़ रहा है। हजारों लोग बदबू और गंदगी से बेहद परेशान हैं। गलियों में गंदा पानी जमा होने से लोगों का निकलना तक मुश्किल हो गया है। पूर्व पार्षद वजीर राठी के अनुसार जर्जर सीवर लाइनों के कारण गंदा पानी आगे नहीं जा रहा और सीवरेज के मेनहोल से निकलकर गलियों में भर रहा है। इसकी शिकायत कई बार दी जा चुकी है। अधिकारी-कर्मचारी मौके पर आते हैं, लेकिन सिर्फ औपचारिकता निभाकर लौट जाते हैं, जबकि समस्या जस की तस बनी हुई है। पार्षद मोहित राठी ने बताया कि आर्य नगर की गली नंबर-5 में सीवरेज व्यवस्था पूरी चरमराई हुई है। कई बार संबंधित विभाग को शिकायत की जा चुकी है, लेकिन स्थाई समाधान नहीं निकाला जा रहा। ऐसे में वे अपने पैसे खर्च करके ब्लॉक सीवर लाइन खुलवा रहे हैं। उनके अनुसार जर्जर हो चुकी सीवरेज की पाइप लाइनों को नए सिरे से तुरंत बिछवाने की जरूरत है, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

बहादुरगढ़। आर्य नगर की गली नंबर-5 में भरा गंदा पानी। फोटो: हरिभूमि

वार्ड 24 में सीवर के टूटे ढक्कन ठीक करवाने की मांग

बहादुरगढ़। शहर के वार्ड नंबर-24 का भी अजब हाल है। एक दिन यहां सीवर ब्लॉक हो जाते हैं और अगले दिन खुल जाते हैं। एक दिन में जलापूर्ति दूषित हो जाती है और अगले दिन शुद्ध हो जाती है। अब कुम्हारों वाली गली निवासी हीरालाल प्रजापति, पूरणमल कश्यप, मीना प्रजापति, कांता प्रजापति, परमिला प्रजापति, रेखा प्रजापति, मीना प्रजापति, निर्मला प्रजापति व कविता प्रजापति के साथ समाजसेवी यशपाल हिंदुस्तानी ने सीवरेज ओवरफ्लो और टूटे हुए ढक्कन की समस्या के निदान की मांग की।

बहादुरगढ़। झंडी दिखाकर चलायमान औषधालय को हरिद्वार रवाना करते नवीन बंटी। फोटो: हरिभूमि

हरिद्वार रवाना हुआ चलायमान औषधालय

■ नर सेवा नारायण सेवा संस्थान में भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी ने दिखाई हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के पुराना औद्योगिक क्षेत्र में स्थित नर सेवा नारायण सेवा संस्थान से शिव भक्त कावड़ियों की सेवा के लिए रविवार को निःशुल्क चलायमान औषधालय हरिद्वार रवाना हुआ। भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी ने बतौर मुख्य अतिथि झंडी दिखाकर इसे रवाना किया। मोबाइल डिस्पेंसरी के साथ चिकित्सकों व सेवादारों की पूरी टीम भी गई है। नर सेवा नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष वैद्य देवेंद्र रोहिल्ला ने बताया कि 13 से 21 जुलाई तक हरिद्वार में शिविर लगाकर शिव भक्त कावड़ियों की निःशुल्क उपचार सेवा की जाएगी। उनके अनुसार वर्ष 1980 से संस्थान द्वारा निशुल्क उपचार का सेवा कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम में पहुंचे भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी ने कहा कि हरिद्वार में शिविर लगाकर शिव भक्त कावड़ियों की निःशुल्क चिकित्सा सेवा करना बेहद पुण्य का कार्य है। उन्होंने विभिन्न धार्मिक उत्सवों पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाने के लिए वैद्य देवेंद्र रोहिल्ला की सराहना की। उनके अनुसार शिव भक्त कावड़ियों की सेवा करने से भी कावड़ लाने जैसा ही फल मिलता है।

इस अवसर पर सतीश प्रधान, आंनद रोहिल्ला, अशोक चोपड़ा, डॉ स्नेहप्रकाश, डॉ राहुल, हरीश, अनिल वशिष्ट, रमेश चंद्र, सुमित्रा, अंजना देवी, नीलम, अनिल दत्त, अनिता देवी, अमरजीत कौर, स्टेट अवॉर्डी सुनीता रानी, संतराम बुपनिया, विनोद पोद्दार, भगवान दास रोहिल्ला, रवि रोहिल्ला, राजीव व सुशील रोहिल्ला आदि उपस्थित रहे।

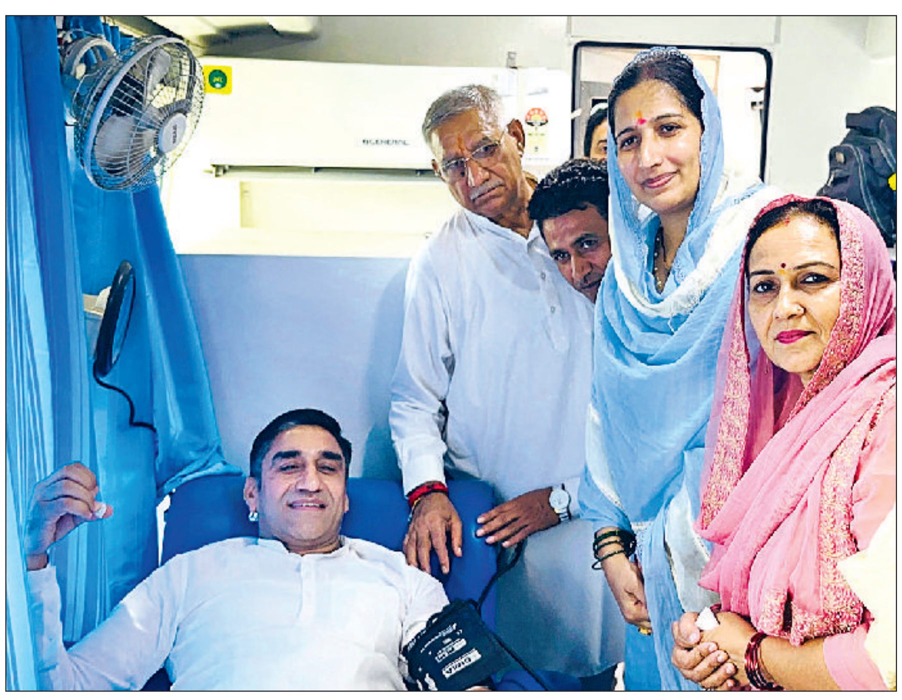
बहादुरगढ़। शिविर में रक्तदान करते मुंडका के विधायक गजेंद्र दराल। फोटो: हरिभूमि

हिसार व खरखौदा की टीमों ने जीती कबड्डी प्रतियोगिता

■ तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

सीबीएसई क्लस्टर-15 कबड्डी चैंपियनशिप रविवार को संपन्न हो गई। न्यू काशी पब्लिक स्कूल, हिसार व खरखौदा की टीमों ने अपने अपने वर्ग में खिताब हासिल किए। विजेता टीमों को सम्मानित किया गया। बीएसएम स्कूल में तीन दिवसीय यह प्रतियोगिता 11 जुलाई को शुरू हुई थी। कई टीमों ने इसमें भाग लिया। अंतिम दिन रविवार को फाइनल मुकाबले खेले गए। अंडर-14 में न्यू काशी पब्लिक स्कूल ने पहला स्थान हासिल किया। एलबीएस रोहतक दूसरे, आरकेसी भूतावास तीसरे और डीएवी स्कूल की टीम चौथे स्थान पर रही। अंडर-17 में सृष्टि इंटरनेशनल स्कूल हिसार ने पहला, कैंब्रीज स्कूल पानीपत ने दूसरा, रणबीर सिंह मेमोरियल स्कूल ने तीसरा स्थान पाया। अंडर-19 वर्ग में प्रताप पब्लिक स्कूल खरखौदा की टीम ने फाइनल में शानदार जीत दर्ज कर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। एकेएफआई हरियाणा के कोषाध्यक्ष व एवीएन जिला प्रधान रोहतक अनिल राठी तथा सर्वोदया स्कूल के अध्यक्ष रमेश रोहिल्ला ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इन्होंने बच्चों को खेल भावना से खेलने को प्रेरित किया। प्रतियोगिता के समापन पर स्कूल डायरेक्टर जितेंद्र लाठर व प्रिंसिपल रीना ने विजेता टीमों को बधाई दी। विजेता टीमों को मेडल व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

बहादुरगढ़। फाइनल मुकाबले में जीत की कोशिश करते दोनों टीमों के खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

शिविर में 220 लोगों ने किया रक्तदान

■ नगर परिषद बोर्ड के तीन साल पूरे होने पर किया गया शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी द्वारा तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर रविवार को पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी के कार्यालय पर रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में 220 ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर से पहले हवन हुआ। हवन में चेयरपर्सन सरोज राठी व भाजपा कार्यकर्ताओं ने आहुति डाली। शिविर में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, मुंडका से विधायक गजेंद्र दराल, भाजपा जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि, भाजपा प्रत्याशी रहे दिनेश कौशिक, संजय कबलाना, झज्जर नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी, पूर्व चेयरमैन कर्मवीर राठी, एसीपी दिनेश कुमार, ईओ अरुण नांदल व रमेश राठी सहित पार्षदों, भाजपा पदाधिकारियों ने रक्तदाताओं को सम्मानित किया। शिविर में पहुंचे मुंडका से विधायक गजेंद्र दराल ने भी रक्तदान किया। रक्त संचय जिला रेड क्रॉस सोसाइटी व लोकहित समिति के सदस्य नरेश कौशिक ने किया। पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, विधायक गजेंद्र दराल, प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने चेयरपर्सन सरोज राठी व सभी पार्षदों को तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर बधाई दी। चेयरपर्सन सरोज राठी ने कहा कि तीन वर्ष के कार्यकाल में सभी पार्षदों के सहयोग से तमाम वार्डों में समान रूप से विकास कराया है। अगले दो वर्ष में तेजी से विकास कार्य कराए जाएंगे। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा, डॉ. संजय सिंह, मनोनीत पार्षद भीम सिंह प्रणामी, सतीश नंबरदार, पार्षद राजेश तंवर, राजेश मकड़ोली, ज्योति पवन रोहिल्ला, अशोक शर्मा, सविता राजेश सैनी, अश्वनी शर्मा, राजबाला, संदीप अहलावत, सचिन दलाल, ज्योति कर्मवीर शर्मा, अन्नू अनिल सिंगल, संजीव मलिक, हरिमोहन धाकरे, गौरव नंबरदार, पूर्व पार्षद संदीप कुमार, अमित कौशिक, सतपाल राठी, जेई नीरज व आशीष आदि भी उपस्थित रहे।

दिल्ली में बालकिशन को मिला सम्मान

बहादुरगढ़। दिल्ली के प्रगति मैदान में इंटरनेशनल हेल्थ एंड वैलनेस एक्सपो संपन्न हो गया। नमो गंगे ट्रस्ट की ओर से यह आयोजन किया गया था। इस दौरान आरोग्य संगोष्ठी भी हुई। जिसमें देशभर से स्वास्थ्य, योग, प्राकृतिक चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों व प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बहादुरगढ़ से प्राकृतिक चिकित्सक बालकिशन तंवर को कार्यक्रम में सम्मान प्राप्त हुआ। तंवर के अनुसार, उनकी सेवाओं के लिए कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। तंवर ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा से बिना दवा के जोड़ों के दर्द, कमर दर्द सहित अनेक रोगों का उपचार संभव है। मालिश, सेक, ध्यान व आहार संतुलन के जरिए रोगी को आराम मिलता है। यह विधा हमारे शरीर की स्वाभाविक क्षमता को जाग्रत कर आरोग्य की दिशा में कार्य करती है।

भाविप ने स्थापना दिवस पर लगाया कैंप

■ मान सिंह हाई स्कूल में लगे शिविर में मरीजों की हुई जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

भारत विकास परिषद के 63वें स्थापना दिवस पर बहादुरगढ़ शाखा द्वारा लाइनपार स्थित मान सिंह हाई स्कूल में रविवार को डॉ. संजय सिंह मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इसमें सैकड़ो लोगों की एचबी, शुगर, बीपी, प्लस रेट, ऑक्सीजन कंसंट्रेशन व श्वास प्रणाली जांच की गई और निशुल्क दवाइयां दी गई। डॉ. संजय सिंह ने परिषद के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि परिषद की गतिविधियों को आमजन तक पहुंचाना ही स्थापना दिवस का मुख्य लक्ष्य है। भाविप के जिला समन्वयक सतीश शर्मा ने बताया कि 10 जुलाई 1963 को भारत विकास परिषद को रजिस्ट्रेशन का प्रमाण पत्र मिला था। इसके प्रथम मुख्य सरंक्षक का दायित्व सर्वोच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त मुख्य न्यायाधीश वीपी सिन्हा को सौंपा गया था। शाखा अध्यक्ष रमेश गुप्ता और सचिव विजय पुन्हानी ने कहा कि परिषद का मुख्य उदेश्य स्वामी विवेकानंद के विचारों का प्रचार प्रसार करना और भारतीयों का सर्वांगीण विकास करना है।

बहादुरगढ़। कैंप में लोगों की सेहत जांचते डॉ. संजय सिंह व अन्य। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग में बच्चों ने दिखाया दमखम

सातवीं पेंचक सिलात प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा

■ जिला भट्टा एसोसिएशन के प्रधान सुरेंद्र सिंह, वीरेंद्र दीक्षित व पेंचक सिलात संघ के जिला महासचिव रमेश खन्ना रहे मुख्य अतिथि

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ी मुख्यातिथि और आयोजक टीम के साथ। फोटो: हरिभूमि

रविवार को गांव रईया में सातवीं जिला स्तरीय पेंचक सिलात प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग के विभिन्न आयु समूहों के सैकड़ों खिलाड़ियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में जिला भट्ठा एसोसिएशन के प्रधान सुरेंद्र सिंह, वीरेंद्र दीक्षित व पेंचक सिलात संघ के जिला महासचिव रमेश खन्ना ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। प्रतियोगिता परिणामों में बारह वर्ष से कम आयु वर्ग के 26 से 28 किलोग्राम भार वर्ग में तन्नू ने पहला व सोफिया ने दूसरा स्थान हासिल किया। 12 से 14 आयु वर्ग की 30 से 33 किलोग्राम भार वर्ग में लक्ष्या को पहला व देविका को दूसरा स्थान मिला। इसके अलावा 42 से 45 किलोग्राम भार वर्ग में कीर्ति, 45 से 48 किलोग्राम भार वर्ग में मुस्कान, 48 से 51 किलोग्राम भार वर्ग में रिया, 51 से 54 किलोग्राम भार वर्ग में अंजली ने पहला स्थान हासिल किया। 14 से 17 आयु वर्ग की 39 किलोग्राम भार वर्ग प्रतियोगिता में साक्षी प्रथम, सिमरन द्वितीय, 39 से 43 किलोग्राम भार वर्ग में मुस्कान व आशु, 43 से 47 किलोग्राम भार वर्ग में प्राची व दिशा ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान हासिल किया। 47 से 51 किलोग्राम भार वर्ग में सनम, 51 से 55 किलोग्राम भार वर्ग में खुशी, 79 से 92 किलोग्राम भार वर्ग में चेष्टा प्रथम रही। लड़कियों की सीनियर वर्ग की 45 किलोग्राम भार वर्ग स्पर्धा में शिखा ने पहला व काजल ने दूसरा, 45 से 50 किलोग्राम भार वर्ग में दीपिका इंदौरा प्रथम व अंजलि द्वितीय, 50 से 55 किलोग्राम भार वर्ग में निशा स्वामी प्रथम, 55 से 60 किलोग्राम भार वर्ग में हिना को पहला स्थान मिला। इसी प्रकार बारह वर्ष से कम आयु वर्ग में शुभम को पहला, नितेश को दूसरा, 28 से 30 किलोग्राम भार वर्ग में मोनू, 12 से 14 आयु वर्ग की 30 से 33 किलोग्राम भार वर्ग स्पर्धा में देशराज प्रथम, 33 से 36 किलोग्राम भार वर्ग में राज को पहला व चिराग को दूसरा स्थान मिला। जूनियर 14 से 17 आयु वर्ग की 43 से 47 किलोग्राम भार वर्ग स्पर्धा में सुशांत को पहला, निशांत को दूसरा, 47 से 51 किलोग्राम भार वर्ग में जनित को प्रथम, 51 से 55 किलोग्राम भार वर्ग में सन्नी प्रथम व ऋषि द्वितीय, 45 से 50 किलोग्राम भार वर्ग में मोहित कुमार, 50 से 55 किलोग्राम भार वर्ग में रोहित, 55 से 60 किलोग्राम भारवर्ग में मोहित व 75 से 80 किलोग्राम भार वर्ग में सनम खन्ना ने स्वर्ण पदक हासिल किया।

बहादुरगढ़। विजेता तैराक जयवर्धन को पुरस्कृत करते सांसद धर्मबीर सिंह व अनिल खत्री। फोटो: हरिभूमि

जीडी गोयनका के तैराकों का जलवा बरकरार

बहादुरगढ़। शहर के एचएल सिटी स्थित चैंपियन एक्वाटिक एकेडमी में 7 से 12 जुलाई तक हुई राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में भी जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल बहादुरगढ़ के तैराकों का जलवा बरकरार रहा। उन्होंने कुल 38 पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लौहा मनवाया। जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल के 15 विद्यार्थियों ने इस स्टेट लेवल प्रतियोगिता में भाग लिया। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 स्वर्ण, 7 रजत और 17 कांस्य पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्कूल के होनहार विद्यार्थी जयवर्धन राव और दिव्यांशु गुलिया ने प्रतियोगिता में विशेष रूप से शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनों का चयन आगामी राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता के लिए हो गया है। यह स्पर्धा अगस्त माह में अहमदाबाद में आयोजित होगी। स्कूल प्रधानाचार्या ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर छात्रों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनके अनुसार यह इन विद्यार्थियों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

स्कूल निदेशिका शैलजा जून ने कहा कि इन विद्यार्थियों की विशेष उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायी है। जयवर्धन और दिव्यांशु जैसे होनहार छात्र भविष्य में देश का नाम रोशन करेंगे।